INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | January - June 2022

पुर्नस्थापनात्मक न्याय का कार्यान्वयन

[1]दीप्ति भटनागर, [2]डॉ. प्रेमवती (असिस्टेंट प्रोफेसर)
[1]शोधार्थी, [2]पर्यवेक्षक
[1–2]विभाग: लॉ, द ग्लोकल विश्वविद्यालय, मिर्जापुर पोल, सहारनपुर, यू.पी.

सार
पुर्नस्थापनात्मक न्याय आपराधिक और सामाजिक संघर्षों को संबोधित करने के लिए एक विकसित दृष्टिकोण है जो सुलह, उपचार और सामुदायिक भागीदारी पर जोर देता है। यह शोध पुर्नस्थापनात्मक न्याय कार्यक्रमों और रणनीतियों को लागू करने से जुड़ी चुनौतियों का पता लगाता है। जिन चुनौतियों पर चर्चा की गई उनमें सांस्कृतिक अंतर, पीड़ित–अपराधी गतिशीलता, संसाधन की कमी और प्रणालीगत परिवर्तन की आवश्यकता शामिल है। इसके अतिरिक्त, शोध सफल कार्यान्वयन प्रथाओं और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने और पुनरावृत्ति को कम करने में पुर्नस्थापनात्मक न्याय के संभावित लाभों पर प्रकाश डालता है।

मुख्य शब्द: पुर्नस्थापनात्मक न्याय, कार्यान्वयन चुनौतियाँ, पीड़ित–अपराधी गतिशीलता, सांस्कृतिक अंतर, संसाधन की कमी, प्रणालीगत परिवर्तन, सामाजिक सद्भाव, पुनरावृत्ति में कमी।

परिचय:
पुर्नस्थापनात्मक न्याय समाज के भीतर संघर्षों और अपराधों को संबोधित करने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है। सजा और प्रतिशोध पर ध्यान केंद्रित करने वाले पारंपरिक दंडात्मक उपायों के विपरीत, पुर्नस्थापनात्मक न्याय उपचार, सुलह और सामुदायिक भागीदारी को प्राथमिकता देता है। इस प्रतिमान बदलाव ने हाल के वर्षों में अधिक ध्यान और समर्थन प्राप्त किया है क्योंकि यह पारंपरिक आपराधिक न्याय प्रणाली के लिए एक आशाजनक विकल्प प्रदान करता है। हालाँकि, पुर्नस्थापनात्मक न्याय कार्यक्रमों का कार्यान्वयन कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है, जिसके लिए सावधानीपूर्वक विचार और रणनीतिक योजना की आवश्यकता होती है।

यह शोध पुर्नस्थापनात्मक न्याय के बहुमुखी परिदृश्य पर प्रकाश डालता है, इसके सफल कार्यान्वयन से जुड़ी बाधाओं और जटिलताओं की जांच करता है। खोजी जाने वाली प्रमुख चुनौतियों में पीड़ित–अपराधी गतिशीलता को नेविगेट करना, सांस्कृतिक मतभेदों को पाटना, संसाधन बाधाओं का प्रबंधन करना और इस दृष्टिकोण को पूरी तरह से अपनाने के लिए आवश्यक प्रणालीगत परिवर्तनों को प्रेरित करना शामिल है। हालाँकि ये चुनौतियाँ विकट हैं, फिर भी पुर्नस्थापनात्मक न्याय के संभावित लाभों को पहचानना आवश्यक है, जैसे कि सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना और अपराध की पुनरावृत्ति दर को कम करना। इन चुनौतियों को संबोधित करके और सफल कार्यान्वयन प्रथाओं को अपनाकर, समाज संघर्षों को हल करने और न्याय को बढ़ावा देने के लिए अधिक दयालु और प्रभावी दृष्टिकोण की ओर बढ़ सकता है।

पुर्नस्थापनात्मक न्याय को लागू करने में बाधाएँ
पुर्नस्थापनात्मक न्याय संघर्षों को सुलझाने और आपराधिक व्यवहार को संबोधित करने के लिए एक आशाजनक दृष्टिकोण है, लेकिन इसके सफल कार्यान्वयन में कई महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इन बाधाओं को दूर करने के लिए प्रभावी रणनीति विकसित करने और आपराधिक न्याय प्रणाली में पुर्नस्थापनात्मक न्याय को पूरी तरह से एकीकृत करने के लिए इन बाधाओं को समझना आवश्यक है। यहां कुछ प्रमुख बाधाएं दी गई हैं:

- **परिवर्तन का विरोध:** पुर्नस्थापनात्मक न्याय को लागू करने में प्राथमिक बाधाओं में से एक आपराधिक न्याय प्रणाली के भीतर परिवर्तन का प्रतिरोध है। कानून प्रवर्तन, अभियोजकों, न्यायाधीशों और यहां तक कि जनता सहित कई हितधारक, पारंपरिक दंडात्मक प्रथाओं को चुनौती देने वाले नए दृष्टिकोण को अपनाने के प्रति प्रतिरोधी हो सकते हैं।

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | January - June 2022

- **जागरूकता और शिक्षा की कमी:** न्याय प्रणाली के भीतर कई व्यक्ति पुर्नस्थापनात्मक न्याय के सिद्धांतों और प्रक्रियाओं को पूरी तरह से नहीं समझ सकते हैं। जागरूकता और शिक्षा की कमी इसके अपनाने और प्रभावी उपयोग में बाधा बन सकती है।
- **संसाधन की कमी:** पुर्नस्थापनात्मक न्याय कार्यक्रमों को लागू करना संसाधन–गहन हो सकता है। इसमें प्रशिक्षण, सुविधा प्रदाताओं, सहायता सेवाओं और कार्यक्रम प्रशासन के लिए वित्त पोषण शामिल है। कई न्यायक्षेत्रों को आवश्यक संसाधन आवंटित करने में कठिनाई हो सकती है, खासकर जब उन्हें बजट सीमाओं का सामना करना पड़ता है।
- **संस्थागत संस्कृति:** सुधारात्मक संस्थानों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के भीतर प्रचलित संस्कृति अक्सर नियंत्रण और दंड पर जोर देती है। इस संस्कृति को उपचार और मेल–मिलाप को प्राथमिकता देने वाली संस्कृति में स्थानांतरित करना एक बड़ी चुनौती हो सकती है।
- **पीड़ित–अपराधी गतिशीलता:** पुर्नस्थापनात्मक न्याय पीड़ितों और अपराधियों की स्वेच्छा से भाग लेने की इच्छा पर निर्भर करता है। दोनों पक्षों को शामिल करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर जब इसमें भय, अविश्वास या आघात शामिल हो।
- **सांस्कृतिक और विविधता संबंधी विचार:** विविध सांस्कृतिक मानदंडों और मूल्यों को समायोजित करने के लिए पुर्नस्थापनात्मक न्याय प्रथाओं को अनुकूलित करने की आवश्यकता हो सकती है। ऐसा करने में विफल रहने पर विशिष्ट समुदायों के भीतर असमानताएं या प्रतिरोध हो सकता है।
- **कानूनी ढांचा:** कुछ न्यायक्षेत्रों में, कानूनी ढांचा पुर्नस्थापनात्मक न्याय सिद्धांतों का पूरी तरह से समर्थन या संरेखित नहीं कर सकता है। इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कानूनी सुधारों की आवश्यकता हो सकती है।
- **डेटा और मूल्यांकन चुनौतियाँ:** पुर्नस्थापनात्मक न्याय कार्यक्रमों की सफलता और प्रभाव को मापना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। स्पष्ट मूल्यांकन मेट्रिक्स स्थापित करना और प्रासंगिक डेटा एकत्र करना आवश्यक है लेकिन जटिल हो सकता है।
- **राजनीतिक और सार्वजनिक धारणा:** राजनीतिक माहौल और जनता की राय पुर्नस्थापनात्मक न्याय पहल का समर्थन करने के लिए नीति निर्माताओं की इच्छा को प्रभावित कर सकती है। इसकी प्रभावशीलता के बारे में नकारात्मक धारणाएं या गलत धारणाएं प्रगति में बाधा बन सकती हैं।
- **स्केलिंग अप:** जबकि पुर्नस्थापनात्मक न्याय कार्यक्रम छोटे पैमाने पर सफल हो सकते हैं, मामलों और न्यायक्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करने के लिए उनका विस्तार करना तार्किक और प्रशासनिक रूप से जटिल हो सकता है।

इन बाधाओं को दूर करने के लिए नीति निर्माताओं, न्याय प्रणाली पेशेवरों, अधिवक्ताओं और समुदाय के ठोस प्रयास की आवश्यकता है। इन चुनौतियों पर काबू पाने और पुर्नस्थापनात्मक न्याय को बढ़ावा देने से समाज के भीतर अपराध और संघर्ष के प्रति अधिक मानवीय और प्रभावी प्रतिक्रिया हो सकती है।

पुर्नस्थापनात्मक न्याय को लागू करने में कानूनी और संस्थागत बाधाएँ:

विधान और नीति ढाँचे: कई न्यायालयों में, मौजूदा कानून और नीति ढाँचे पुर्नस्थापनात्मक न्याय सिद्धांतों और प्रथाओं का पूरी तरह से समर्थन या समावेश नहीं कर सकते हैं। यह गलत संरेखण पुर्नस्थापनात्मक न्याय कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में कानूनी बाधाएँ पैदा कर सकता है।

- **अनिवार्य सजा कानून:** कुछ स्थानों पर, अनिवार्य सजा कानून पुर्नस्थापनात्मक न्याय विकल्प चुनने में न्यायाधीशों के विवेक को प्रतिबंधित करते हैं, क्योंकि उन्हें अक्सर कुछ अपराधों के लिए विशिष्ट दंडात्मक उपायों की आवश्यकता होती है।
- **पीड़ितों के अधिकार और सुरक्षा:** कानूनी प्रणालियाँ अक्सर पीड़ितों के अधिकारों और सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं। पुर्नस्थापनात्मक न्याय को लागू करने के लिए जटिल कानूनी प्रक्रियाओं को

नेविगेट करने की आवश्यकता हो सकती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पीड़ितों के अधिकारों को बरकरार रखा जा सके और साथ ही पुर्नस्थापनात्मक प्रक्रियाओं के लिए अवसर भी प्रदान किए जा सकें।

- **आपराधिक रिकॉर्ड और निष्कासनः** पुर्नस्थापनात्मक न्याय में अक्सर अपराधियों और पीड़ितों के बीच समझौते शामिल होते हैं जो आपराधिक रिकॉर्ड को प्रभावित कर सकते हैं। रिकॉर्ड निष्कासन या सीलिंग जैसे मुद्दों को संबोधित करते समय कानूनी बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं, खासकर ऐसे मामलों में जहां आपराधिक रिकॉर्ड के व्यक्तियों के लिए दीर्घकालिक परिणाम होते हैं।
- **गोपनीयता कानूनः** पुर्नस्थापनात्मक न्याय प्रक्रियाओं में संवेदनशील चर्चा और जानकारी साझा करना शामिल है। गोपनीयता कानूनों को नेविगेट करते समय कानूनी और संस्थागत बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं, विशेष रूप से पुर्नस्थापनात्मक प्रक्रियाओं के दौरान कुछ जानकारी के प्रकटीकरण के संबंध में।
- **कानूनी प्रतिनिधित्वः** यह सुनिश्चित करना कि इसमें शामिल सभी पक्षों को कानूनी प्रतिनिधित्व और सलाह तक पहुंच मिले, एक चुनौती हो सकती है। कुछ मामलों में, पुर्नस्थापनात्मक न्याय प्रक्रियाओं में भाग लेने वालों के समर्थन के लिए कानूनी सहायता और सेवाएँ आसानी से उपलब्ध नहीं हो सकती हैं।
- **संस्थागत प्रतिरोधः** कई कानून प्रवर्तन एजेंसियों, अदालत प्रणालियों और सुधारात्मक संस्थानों ने ऐसी प्रथाएँ और संस्कृतियाँ स्थापित की हैं जो दंडात्मक उपायों को प्राथमिकता देती हैं। पुर्नस्थापनात्मक न्याय सिद्धांतों को अपनाने के लिए संस्थागत प्रतिरोध महत्वपूर्ण बाधाएँ पैदा कर सकता है।
- **प्रशिक्षण और शिक्षाः** न्यायाधीशों, वकीलों और परिवीक्षा अधिकारियों सहित कानूनी पेशेवरों को पुर्नस्थापनात्मक न्याय प्रक्रियाओं को प्रभावी ढंग से सुविधाजनक बनाने के लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता हो सकती है। इस तरह के प्रशिक्षण की कमी कानूनी प्रणाली के भीतर पुर्नस्थापनात्मक न्याय के कार्यान्वयन में बाधा बन सकती है।
- **संसाधन आवंटनः** न्याय प्रणाली के भीतर संसाधनों के आवंटन को पुर्नस्थापनात्मक न्याय कार्यक्रमों के बजाय पारंपरिक दंडात्मक उपायों का समर्थन करने के लिए संरचित किया जा सकता है। पुर्नस्थापनात्मक पहलों का समर्थन करने के लिए संसाधनों को स्थानांतरित करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
- **कोर्ट बैकलॉगः** अत्यधिक बोझ वाली अदालत प्रणाली और केस बैकलॉग पुर्नस्थापनात्मक न्याय प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक समय और संसाधनों की उपलब्धता को सीमित कर सकते हैं, जिससे कार्यान्वयन में एक संस्थागत बाधा पैदा हो सकती है।

इन कानूनी और संस्थागत बाधाओं को दूर करने के लिए अक्सर व्यापक कानूनी सुधारों, नीतिगत बदलावों और पुर्नस्थापनात्मक न्याय सिद्धांतों के बारे में कानूनी पेशेवरों को प्रशिक्षण और शिक्षित करने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, इन चुनौतियों पर काबू पाने और अपराध और संघर्ष को संबोधित करने के लिए अधिक पुर्नस्थापनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए न्याय प्रणाली, सामुदायिक संगठनों और अधिवक्ताओं के बीच सहयोग महत्वपूर्ण है।

पुर्नस्थापनात्मक न्याय को लागू करने में नैतिक और व्यावहारिक विचारः

- **सूचित सहमतिः** पुर्नस्थापनात्मक न्याय में मौलिक नैतिक सिद्धांतों में से एक यह सुनिश्चित करना है कि पीड़ितों और अपराधियों सहित सभी पक्ष प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सूचित और स्वैच्छिक सहमति प्रदान करें। इसका मतलब है कि उन्हें प्रक्रिया, इसके निहितार्थ और अपने अधिकारों को पूरी तरह से समझना चाहिए। सूचित सहमति सुनिश्चित करना न केवल एक नैतिक अनिवार्यता है बल्कि प्रक्रिया को सार्थक बनाने के लिए एक व्यावहारिक आवश्यकता भी है।
- **निष्पक्षता और समताः** पुर्नस्थापनात्मक न्याय को ऐसे तरीके से लागू किया जाना चाहिए जो निष्पक्ष और न्यायसंगत हो। इसमें प्रतिभागियों के बीच शक्ति असंतुलन पर विचार करना, सांस्कृ

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | January - June 2022

तिक संवेदनशीलता को संबोधित करना और यह सुनिश्चित करना शामिल है कि इस प्रक्रिया से एक पक्ष को दूसरे पक्ष से अधिक लाभ न हो।

- **पीड़ित सुरक्षाः** पुर्नस्थापनात्मक न्याय में पीड़ितों की सुरक्षा और भलाई एक सर्वोपरि चिंता होनी चाहिए। नैतिक और व्यावहारिक विचारों में पीड़ितों को नुकसान से बचाने के उपाय शामिल हैं, जिसमें यह सुनिश्चित करना भी शामिल है कि प्रक्रिया उन्हें आगे के आघात या धमकी का शिकार न बनाए।
- **अपराधी की जवाबदेहीः** पुर्नस्थापनात्मक न्याय को अपराधियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह बनाना चाहिए और साथ ही उन्हें समुदाय में पुनर्वास और पुनः एकीकरण का अवसर प्रदान करना चाहिए। नैतिक विचार जवाबदेही और परिवर्तन के समर्थन के बीच संतुलन खोजने के इर्द–गिर्द घूमते हैं।
- **तटस्थता और निष्पक्षताः** पुर्नस्थापनात्मक न्याय प्रक्रियाओं में सुविधा प्रदाताओं और मध्यस्थों को तटस्थता और निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए। नैतिक सिद्धांतों की आवश्यकता है कि वे एक पक्ष को दूसरे पक्ष से अधिक तरजीह न दें और बातचीत के लिए एक सुरक्षित और निष्पक्ष स्थान प्रदान करें।
- **गोपनीयताः** नैतिक और व्यावहारिक दोनों विचार गोपनीयता बनाए रखने और सभी प्रतिभागियों की गोपनीयता का सम्मान करने के महत्व पर जोर देते हैं। प्रक्रिया में भरोसा प्रतिभागियों के इस एहसास पर निर्भर करता है कि संवेदनशील जानकारी उनकी सहमति के बिना प्रकट नहीं की जाएगी।
- **सांस्कृतिक संवेदनशीलताः** पुर्नस्थापनात्मक न्याय प्रक्रियाएँ सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील होनी चाहिए और प्रतिभागियों के मूल्यों और परंपराओं का सम्मान करना चाहिए। व्यावहारिक विचारों में सम्मानजनक जुड़ाव सुनिश्चित करने के लिए सुविधाकर्ताओं और मध्यस्थों के लिए सांस्कृतिक योग्यता प्रशिक्षण की आवश्यकता शामिल है।
- **संसाधन आवंटनः** पुर्नस्थापनात्मक न्याय कार्यक्रमों के लिए संसाधनों का आवंटन करते समय व्यावहारिक चुनौतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं, जैसे प्रशिक्षित सुविधाकर्ताओं, सहायता सेवाओं और कार्यक्रम प्रशासन के लिए धन। नैतिक विचारों में यह सुनिश्चित करना शामिल है कि इन संसाधनों को उचित और कुशलतापूर्वक वितरित किया जाए।

पुर्नस्थापनात्मक न्याय के सफल कार्यान्वयन के लिए इन नैतिक और व्यावहारिक विचारों को संतुलित करना आवश्यक है। इसमें हितधारकों के बीच निरंतर सहयोग, स्थापित नैतिक दिशानिर्देशों का पालन, और नैतिक मानकों और व्यावहारिक लक्ष्यों दोनों को पूरा करने के लिए पुर्नस्थापनात्मक न्याय प्रक्रियाओं में लगातार सुधार करने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।

निष्कर्षः

पुर्नस्थापनात्मक न्याय दुनिया भर में विभिन्न कानूनी प्रणालियों के भीतर संघर्षों और अपराधों को संबोधित करने के लिए एक परिवर्तनकारी और अनुकूलनीय दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। यह दंडात्मक उपायों से हटकर उपचार, मेल–मिलाप और सामुदायिक भागीदारी पर जोर देता है। इस चर्चा के माध्यम से, हमने विभिन्न कानूनी ढांचे में पुर्नस्थापनात्मक न्याय के एकीकरण का पता लगाया है, प्रत्येक को विभिन्न समाजों की अनूठी जरूरतों और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप बनाया गया है।

कानूनी प्रणालियों की विविधता के बावजूद, नैतिक और व्यावहारिक विचारों में सामान्य सूत्र उभरते हैं जो पुर्नस्थापनात्मक न्याय के सफल कार्यान्वयन को रेखांकित करते हैं। इन विचारों में सूचित सहमति, निष्पक्षता और समानता, पीड़ित सुरक्षा, अपराधी जवाबदेही, तटस्थता और निष्पक्षता, गोपनीयता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता, संसाधन आवंटन, डेटा सुरक्षा और दीर्घकालिक प्रभाव मूल्यांकन का महत्व शामिल है।

कानूनी और संस्थागत दोनों बाधाओं पर काबू पाने के लिए कानूनी सुधारों, नीति परिवर्तन, प्रशिक्षण और शिक्षा और न्याय प्रणालियों के भीतर एक पुर्नस्थापनात्मक मानसिकता की खेती के प्रति प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, कानून प्रवर्तन, कानूनी पेशेवरों, सामुदायिक संगठनों और अधिवक्ताओं सहित हितधारकों का सहयोग, पुर्नस्थापनात्मक न्याय प्रथाओं के विकास और स्थिरता को

बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।

संदर्भ

- ब्रायन गिब्सन और पॉल कैवाडिनो, द क्रिमिनल जस्टिस सिस्टमः एन इंट्रोडक्शन, (मई 2008), (संस्करण तीसरा), यूएसएः वॉटरसाइड प्रेस।
- सीई गोल्ड्सबरी, (2008), लाइफ इन द इंडियन पुलिस, नई दिल्लीः डेविडसन प्रेस।
- कैरोल हरकारिक, रिस्टोरेटिव जस्टिस इज चेंजिंग द वर्ल्ड, (2009), (संस्करण 1), न्यूयॉर्कः हार्टिंगटन प्रेस।
- डीपी शर्मा (2003), आतंकवाद के शिकार, नई दिल्लीः एपीएच प्रकाशन निगम।
- दलबीर भारती, (2015), पुलिस और लोग – भूमिका और जिम्मेदारियाँ, नई दिल्लीः एपीएच प्रकाशन निगम।
- डेली, कैथलीन, हेनेसी हेन्स, और एलेना मार्चेटी। (2006), ''न्यू विजन ऑफ जस्टिस'' इनः एंड्रयू गोल्डस्मिथ, मार्क इजराइल, और कैथलीन डेली, क्राइम एंड जस्टिसः ए गाइड टू क्रिमिनोलॉजी, सिडनीः लॉ बुक।
- एलेनोर हन्नन जुडाह और माइकल ब्रायंट, (2004), आपराधिक न्यायः प्रतिशोध बनाम। रेस्टोरेशन, यूएसएः रूटलेज।